18 नवम्बर 2020

विशेष रिपोर्ट

तिलहन

नवम्बर 2020

smc
Moneywise. Be wise.

तिलहन और खाद्य तेल में वार्षिक प्रतिशत आय

इस साल, घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजार में सभी तिलहन और खाद्य तेलों ने निवेशकों के पसंदीदा एसेट समूह 'सोना' की तुलना में बहुत अधिक रिटर्न दिया है। दक्षिण अमेरिका में सूखे मौसम और मलेशिया में महामारी के प्रकोप के बाद लॉकडाउन के कारण आपूर्ति में व्यवधान और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि, चीन द्वारा अपने खाद्य भंडार को सुरक्षित करने जैसे विभिन्न कारकों के कारण कीमतों में इजाफा हुआ।

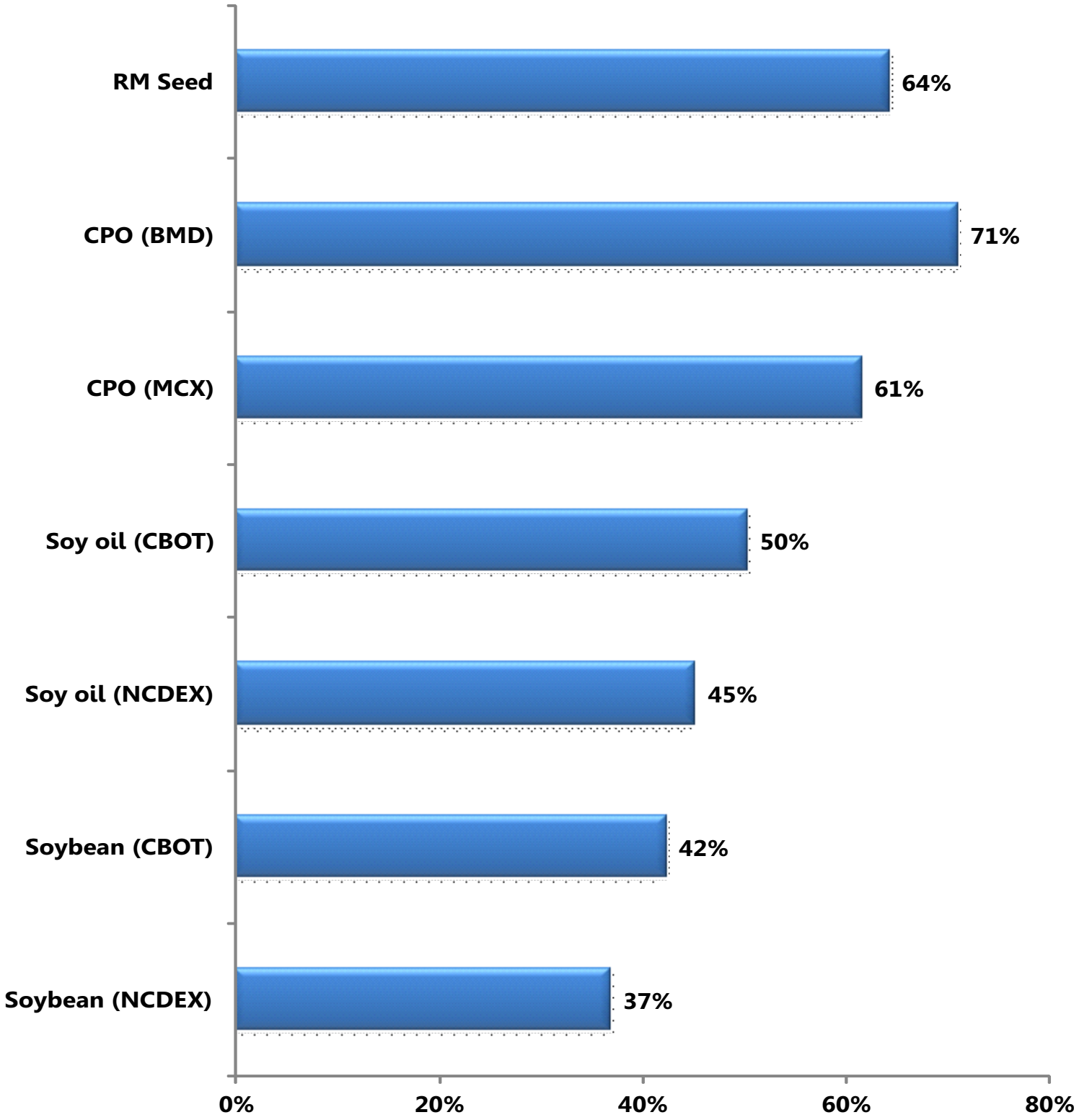

स्रोतः रॉयटर्स

'वर्ष के निचले स्तर से 14 नवम्बर 2020 तक के बंद भाव के अनुसार

एनसीडीईएक्स में सोयाबीन वायदा का फॉरवर्ड कर्व (रू प्रति क्विं. में)

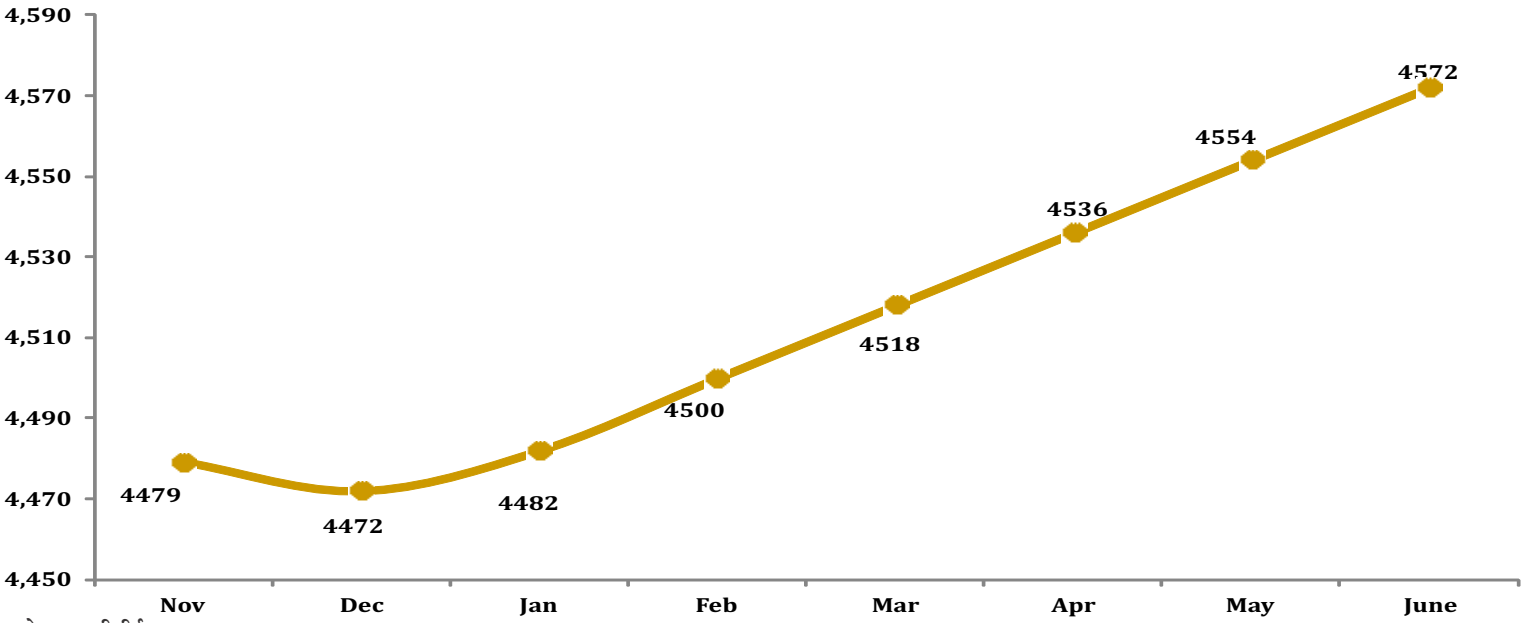

स्रोतः एनसीडीईएक्स

14 नवम्बर 2020 का बंद भाव

फंडामेंटल

- **सोयाबीन वायदा (दिसंबर) की कीमतों के तेजी के रूझान के साथ 4300-4800 के दायरे में कारोबार करने की उम्मीद है, इस मौसम में कम आपूर्ति और निर्यात मांग को पूरा करने के लिए मिलों की ओर से लगातार खरीदारी के साथ सीबोट में कीमतों में तेजी के रूझान से कीमतों को मदद मिली।**
- सोयाबीन प्रोसेसर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा जारी नवीनतम आपूर्ति और मांग के अनुमान के अनुसार, तेल वर्ष 2020-2021 में 14 लाख टन सोयामील का निर्यात होने का अनुमान है, जबकि तेल वर्ष 2019-2020 में 8.60 लाख टन निर्यात हुआ था।
- देश से 2020-21 में सोया खाद्य निर्यात में पिछले साल के 5.2 लाख टन के मुकाबले 8.6 लाख टन की तेजी से बढ़ोतरी हुई है।
- विश्व बाजार में सोयाबीन और सोयामील की अधिक कीमतों ने वैश्विक बाजार में भारतीय सोयामील को प्रतिस्पर्धी बना दिया है।
- दूसरी ओर, सोयाबीन का आयात पिछले साल के 5.2 लाख टन की तुलना में इस साल घटकर 3 लाख टन रह गया है।
- इस वर्ष भारत में सोयाबीन का उत्पादन लगभग 105 लाख टन के अनुमान से कम होगा, क्योंकि मध्य प्रदेश के इंदौर, देवास, मालवा और उज्जैन के उत्पादन क्षेत्रों में सितंबर की शुरुआत में बारिश के बाद दिन के तापमान में वृद्धि और फसलों पर कीटों के हमले के बाद फसल को भारी नुकसान हुआ था। हुआ।
- एसओपीए के अनुसार, इस साल सोयाबीन का उत्पादन 104.55 लाख टन होने का अनुमान है, लेकिन मध्य प्रदेश की फसल को नुकसान के मद्देनजर यह कम हो सकता है।
- सोयाबीन की आवक शुरू हो गई है और आंकड़ों से पता चलता है कि 1 नवंबर तक किसानों/व्यापारियों के पास कुल स्टॉक 90.16 लाख टन है।
- आवक में गिरावट और फसल क्षति की रिपोर्ट के कारण, मंडियों में सोयाबीन की कीमतें 4350-4400 रुपये रू प्रति क्विंटल पर पहुंच गई हैं।

सीबोट में अमेरिकी सोयाबीन वायदा का फॉरवर्ड वक्र(सेंट/बुशल)

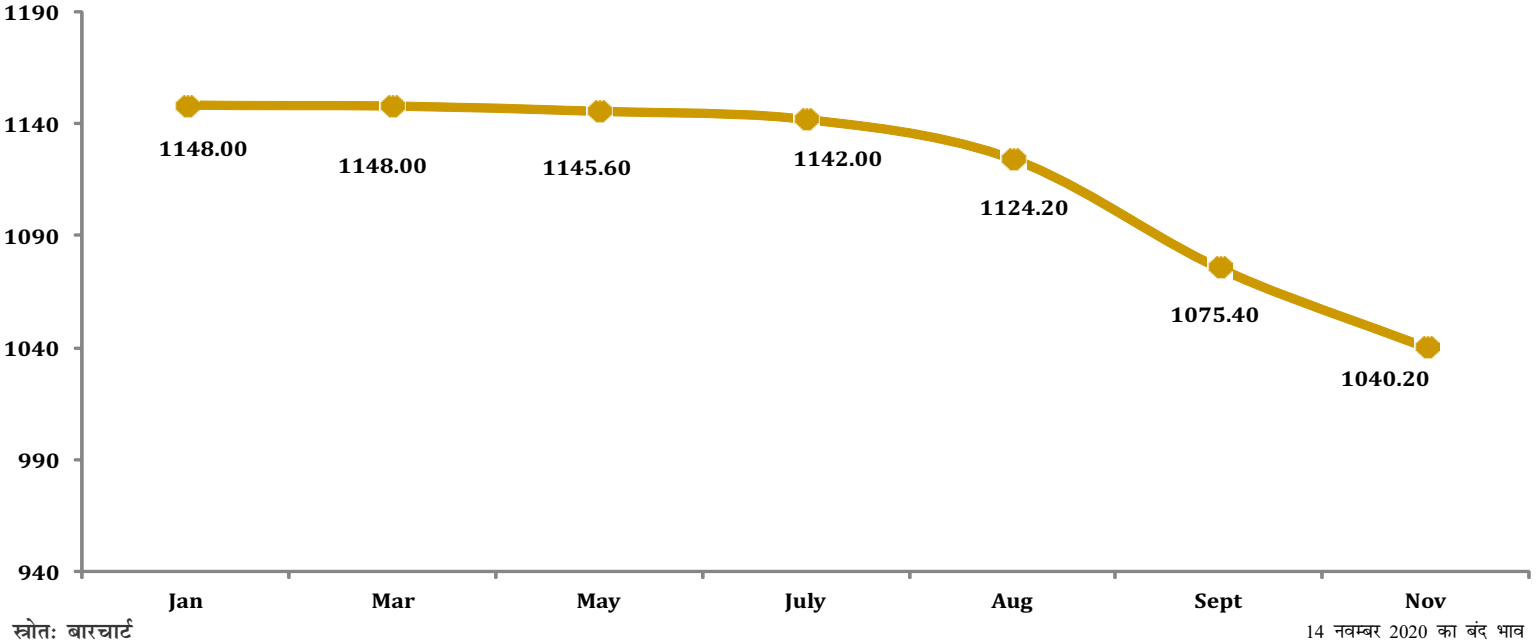

स्रोत: बारचार्ट

14 नवम्बर 2020 का बंद भाव

फंडामेंटल

- **सीबोट में सोयाबीन वायदा की कीमतों में 12-12.5 डॉलर प्रति बुशल तक बढ़त दर्ज किए जाने की संभावना है क्योंकि दक्षिण अमेरिका में शुष्क मौसम पर चिंता और चीन की ओर से मजबूत मांग के कारण कीमतें चार साल के उच्च स्तर के करीब कारोबार कर रही है। इसके अलावा, दक्षिण अमेरिका में प्रतिकूल मौसम से सोयाबीन की कीमतों को मदद मिल रही है।**
- संयुक्त राज्य अमेरिका में सोयाबीन के भंडार के अगले साल अगस्त तक सात साल के निचले स्तर तक पहुंचने की संभावना है, जबकि घरेलू मांग के अब तक के उच्च स्तर पर पहुंच जाने की संभावना है।
- अमेरिकी सोयाबीन स्टॉक-टू-यूज, जो आपूर्ति बनाम मांग को मापता है, 2020-21 में 4.2% रहने का अनुमान है। 2013-14 में 2.6% के बाद यह दूसरा सबसे कम होगा।
- अगर दक्षिण अमेरिका में फसल का मौसम सूखा रहता है तो कीमतें और बढ़ सकती हैं। दुनिया के सबसे बड़े सोयाबीन आपूर्तिकर्ता ब्राजील में पहले से ही सूखे मौसम के कारण फसल बाधित हुई है।
- अमेरिकी कृषि विभाग (यूएसडीए) द्वारा अमेरिकी सोयाबीन भंडार के सात वर्षो के निचले स्तर पर रहने के अनुमान के रिपोर्ट के बाद सोयाबीन बाजार को अच्छी तरह से समर्थन मिल रहा है।
- संयुक्त राज्य अमेरिका में संसाधित किए गए सभी सोयाबीन के लगभग 95% का रखरखाव करने वाले एनओपीए सदस्यों ने अनुमान लगाया है कि पिछले महीने 177.123 मिलियन बुशल सोयाबीन की पेराई हुई है।
- दुनिया के प्रमुख सोयाबीन आयातक चीन की ओर से मांग बढ़ी है। यूएसडीए ने कहा कि चीन के खरीदारों ने पिछले सप्ताह संयुक्त राज्य अमेरिका से 745,611 टन खरीदा, जिसमें लगभग 202,800 टन अन्य स्थानों को भेजा गया ।
- सीमा शुल्क के सामान्य प्रशासन के आंकड़ों के अनुसार चीन के सोयाबीन आयात में एक साल पहले की तुलना में अक्टूबर में 41% की वृद्धि हुई है।
- दुनिया के शीर्ष सोयाबीन आयातक ने अक्टूबर में 8.69 मिलियन टन तिलहन का आयात किया है, जो पिछले वर्ष के इसी महीने में 6.18 मिलियन टन था, क्योंकि पेराईकर्ताओं ने ब्राजीलियन सोयाबीन को पहले अच्छे पेराई मार्जिन पर बुक किया था ।
- आयातकों ने चौथी तिमाही के लिए और अगले साल की शुरुआत में अमेरिकी सोयाबीन की खरीद में भी वृद्धि की है जब अमेरिकी फसल बाजार पर हावी हो गई, और आंशिक रूप से पहले चरण के चीन-अमेरिकी व्यापार समझौते की शर्तों को पूरा करने के लिए भी खरीद की गई ।
- आने वाले महीनों में खरीद की गति थोड़ी धीमी होने की उम्मीद है, क्योंकि पेराईकर्ताओं ने पहले से ही बहुत सारे ब्राजीलियाई सोयाबीन बुक कर लिया हैं और अमेरिकी सोयाबीन में भी वृद्धि होगी।

एनसीडीईएक्स में सरसों वायदा का फॉरवर्ड वक्र(रू/क्विं.)

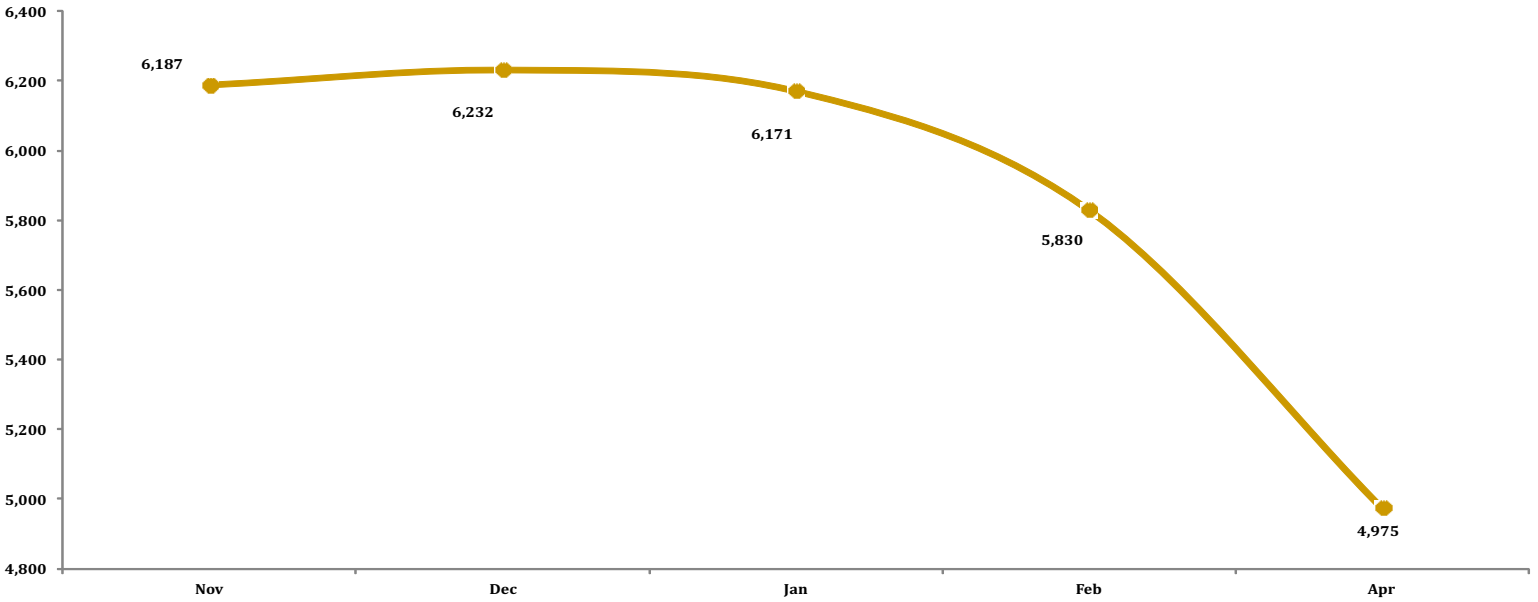

स्रोत: एनसीडीईएक्स

14 नवम्बर 2020 का बंद भाव

फंडामेंटल

- **सरसों वायदा की कीमतें अब तक के रिकॉर्ड स्तर 6330 के करीब कारोबार कर रहा है और यह तेजी से चलने की संभावना है क्योंकि यह आने वाले दिनों में 6450-6600 के स्तर पर पहुंचने की संभावना है। मांग और आपूर्ति के बीच भारी अंतर से कीमतों को मदद मिल रही है।**
- सरसों का स्टॉक तेज गति से घट रहा है। अक्टूबर 2020 के अंत में भारत में सरसों का स्टॉक महज 15.50 लाख टन था।
- अब, जनवरी तक अगले 3 महीनों के लिए सरसों का भंडार 15.5 लाख टन होने का अनुमान है। इस बीच नई फसल फरवरी में मंडियों में आएगी। इसलिए भारत को जनवरी तक वर्तमान स्टॉक पर निर्भर रहना होगा।
- रिपोर्ट के अनुसार, 31 अक्टूबर को किसानों के पास 8.4 लाख टन का स्टॉक था। नॉफेड, हैफेड और प्रोसेसरों के साथ ही स्टॉकिस्टों के पास स्टॉक क्रमश: 2.75 लाख टन, 0.65 लाख टन और 3.70 लाख टन था। कम उत्पादन और अधिक खपत के कारण अगले सीजन के लिए कैरीओवर स्टॉक बहुत कम होगा।
- अक्टूबर में सरसों की आवक 3.90 लाख टन दर्ज की गई थी, जबकि सितंबर 2020 में आवक 4 लाख टन थी। अक्टूबर 2020 में लगभग 6 लाख टन सरसों की बुवाई हुई थी।
- यह अनुमान लगाया गया है कि, तिलहन की कुल उपलब्धता 74 लाख टन थी, जिसमें पिछले साल का 5 लाख टन का भंडार भी शामिल था। कुल उत्पादन लगभग 69 लाख टन अनुमानित था। पहले इसका अनुमान 76 लाख टन था लेकिन संशोधित होकर 72 लाख टन हो गया और अंत में इसका अनुमान मात्र 69 लाख टन था।
- विभिन्न उत्पादक राज्यों की मंडियों में मार्च से अक्टूबर तक लगभग 60.05 लाख टन सरसों की आवक हुई। पिछले साल मार्च, अप्रैल, मई और जून में आवक क्रमश: 7.25 लाख टन, 9.8 लाख टन, 14.50 लाख टन और 10.65 लाख टन दर्ज किया गया था।
- तिलहन की पेराई और खपत मई से अगस्त (प्रत्येक माह 8 लाख टन) के दौरान अधिकतम थी। मार्च में पेराई 7.5 लाख टन, अप्रैल में 6.50 लाख टन, सितंबर में 6.5 लाख टन और अक्टूबर में 6 लाख टन रही।
- भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण के हालिया आदेश से सरसों के तेल में अन्य सस्ता तेल मिलावट करने पर प्रतिबंध लगा दिया है जिससे अक्टूबर में कीमतों में अधिक बढ़ोतरी हुई।
- यह ध्यान देना महत्वपूर्ण है कि कोविड-19 महामारी के बीच प्रतिरक्षा बूस्टर कारक के कारण अप्रैल से अगस्त के दौरान सरसों के तेल की खपत अधिकतम थी। इसके साथ ही कम उत्पादन के कारण कीमतें 6348 रू प्रति क्विंटल के स्तर पर पहुंच गई।

smc Moneywise. Be wise.

फंडामेंटल

- **खाद्य तेलों की कीमतों में तेजी बरकरार रहने की संभावना है और किसी तेज गिरावट की संभावना नही है क्योंकि कारोबारी सोया तेल की कीमतों में 1100-1150 रू के लक्ष्य और सीपीओ वायदा की कीमतों में 950-980 के ऊपरी लक्ष्य को देखते हुए लांग पोजिशन में प्रवेश करने के अवसर के रूप में उपयोग कर रहे हैं।**
- सप्लाई का बाधित होना एक प्रमुख चिंता का विषय है क्योंकि सरकार द्वारा आवाजाही पर लगाए गए प्रतिबंधों के कारण प्रमुख पॉम ऑयल उत्पादक क्षेत्रों में श्रम की कमी देखी गई है।
- नवीनतम आंकड़ों से पता चलता है कि अक्टूबर में मलेशिया का पॉम ऑयल उत्पादन पिछले 10 वर्षों के 1.89 मिलियन टन के औसत से कम था। सीपीओ बाजार के सेंटीमेंट में तेजी बनी हुई है और इसमें आगे भी बढ़ोतरी की संभावना है। मौजूदा कीमतें जनवरी 2020 में दर्ज 3,150 रिंगिट/टन के पिछले उच्च स्तर और दिसंबर 2016 में दर्ज 3,200 रिंगिट/टन को पार कर गया है। हम मलेशिया पॉम ऑयल में अधिक तेजी देख सकते हैं, जिसके कारण निकट भविष्य में कीमतें 3200 रिंगिट/टन के पास सपोर्ट के साथ 3600 रिंगिट/टन के स्तर पर पहुंच सकती है।
- एनओपीए के अनुसार अक्टूबर में अमेरिकी सोयाबीन की पेराई अब तक के मासिक रिकॉर्ड 185.245 मिलियन बुशल से अकि हो गया है जो 177.123 मिलियन बुशल के अनुमान से अधिक है। सोया तेल का स्टॉक बढ़कर 1.487 टन हो गया है जो एक वर्ष पहले की तुलना में अधिक है और दो वर्ष पहले की तुलना में कम है।
- अमेरिकी सोया तेल वायदा भी आने वाले दिनों में 39-40 सेंट प्रति पाउंड तक बढ़त दर्ज कर सकती है।
- घरेलू बाजार में, अप्रैल के बाद से होरेका (होटल, रेस्तरां और खानपान) क्षेत्र से मांग के पूरी तरह से समाप्त हो जाने के कारण तेल वर्ष 2019-20 (नवंबर 2019 से अक्टूबर 2020) के दौरान वनस्पति तेलों के आयात में 13 प्रतिशत की गिरावट हुई है।
- भारत ने 2019-20 के दौरान 13.52 मिलियन टन वनस्पति तेलों का आयात किया, जबकि 2018-19 में 15.55 मिलियन टन किया था।
- देश ने 2018-19 के दौरान 14.91 मिलियन टन खाद्य तेल और 0.64 मिलियन टन गैर-खाद्य तेल के आयात के मुकाबले 2019-20 के दौरान 13.17 मिलियन टन खाद्य तेल और 0.35 मिलियन टन गैर-खाद्य तेल का आयात किया।
- तेल वर्ष 2019-20 के दौरान पॉम ऑयल (जिसमें आरबीडी पामोलीन और क्रूड पॉम ऑयल भी शामिल है) का कुल आयात, 2018-19 में 9.40 मिलियन टन के मुकाबले घटकर 7.21 मिलियन टन रह गया।
- 2018-19 में 2.73 मिलियन टन की तुलना में 2019-20 में आरबीडी पामोलियन का आयात बेहद कम होकर 0.42 मिलियन टन हो गया। इसका मुख्य कारण 4 सितंबर, 2019 को 5 प्रतिशत सुरक्षा शुल्क लगाना और 8 जनवरी, 2020 से प्रतिबंधित सूची श्रेणी में इसका स्थान है।
- कच्चे पॉम ऑयल(सीपीओ) का आयात 2019-20 के दौरान मामूली रूप से बढ़कर 6.66 मिलियन टन हो गया, जबकि 2018-19 में 6.53 मिलियन टन हुआ था।
- आरबीडी पॉमोलिन के आयात में ठहराव के कारण 2019-20 में घरेलू शोधन क्षमता उपयोग एक साल पहले के 40-45 प्रतिशत की तुलना में बढ़कर 55-60 प्रतिशत हो गया।
- 2019-20 में सॉफ्ट तेलों का आयात बढ़कर 5.95 मिलियन टन हो गया जो पिछले साल 5.50 मिलियन टन था। इसमें 3.38 मिलियन टन (3.09 मिलियन टन) सोयाबीन तेल, 2.51 मिलियन टन (2.35 मिलियन टन) सूरजमुखी का तेल और 0.055 मिलियन टन (0.059 मिलियन टन) रेपसीड तेल शामिल है।
- खाद्य तेलों के कुल आयात में पॉम तेलों की हिस्सेदारी 2018-19 में 63% से घटकर 2019-19 में 55 प्रतिशत रह गई, और सॉफ्ट तेलों की हिस्सेदारी 2018-19 के 37 प्रतिशत से बढ़कर 2019-20 में 45 प्रतिशत हो गई।
- पॉम तेल का कारोबार आमतौर पर सोया तेल के मुकाबले 100 डॉलर से 200 डॉलर प्रति टन के डिस्काउंट पर होता है, लेकिन मलेशियाई वायदा की कीमतें वर्तमान समय में आठ साल के शिखर 3,405 मलेशियाई रिंगित प्रति टन से थोड़ा नीचे ही कारोबार कर रही है- जिससे कीमतों का अंतर कम होकर 80 डॉलर तक कम हो गया है। भारत में सोयाबीन तेल की कीमतों के 960 डॉलर की तुलना में कच्चे पॉम तेल की कीमत 880 डॉलर प्रति टन के साथ पेश की जा रही है, जिसमें लागत, बीमा और माल ढुलाई (सीआईएफ) शामिल हैं। कम होते अंतर के कारण खरीदार सोया तेल को पसंद कर रहे है, क्योंकि यह स्वाद और गुणवत्ता में बेहतर माना जाता है।
- 1 नवंबर को, विभिन्न बंदरगाहों पर खाद्य तेलों का स्टॉक 558,000 टन (सीपीओ 295,000 टन, आरबीडी पॉमोलिन 13,000 टन, सोयाबीन तेल 151,000 टन, कच्चा सूरजमुखी 91,000 टन और रेपसीड ऑयल 17,000 टन), होने का अनुमान है। पाइपलाइन स्टॉक 1.57 मिलियन टन के कुल स्टॉक के साथ 1.02 मिलियन टन है।

सीबोट में अमेरिकी सोया तेल वायदा का फॉरवर्ड वक्र (सेंट/पाउंड)

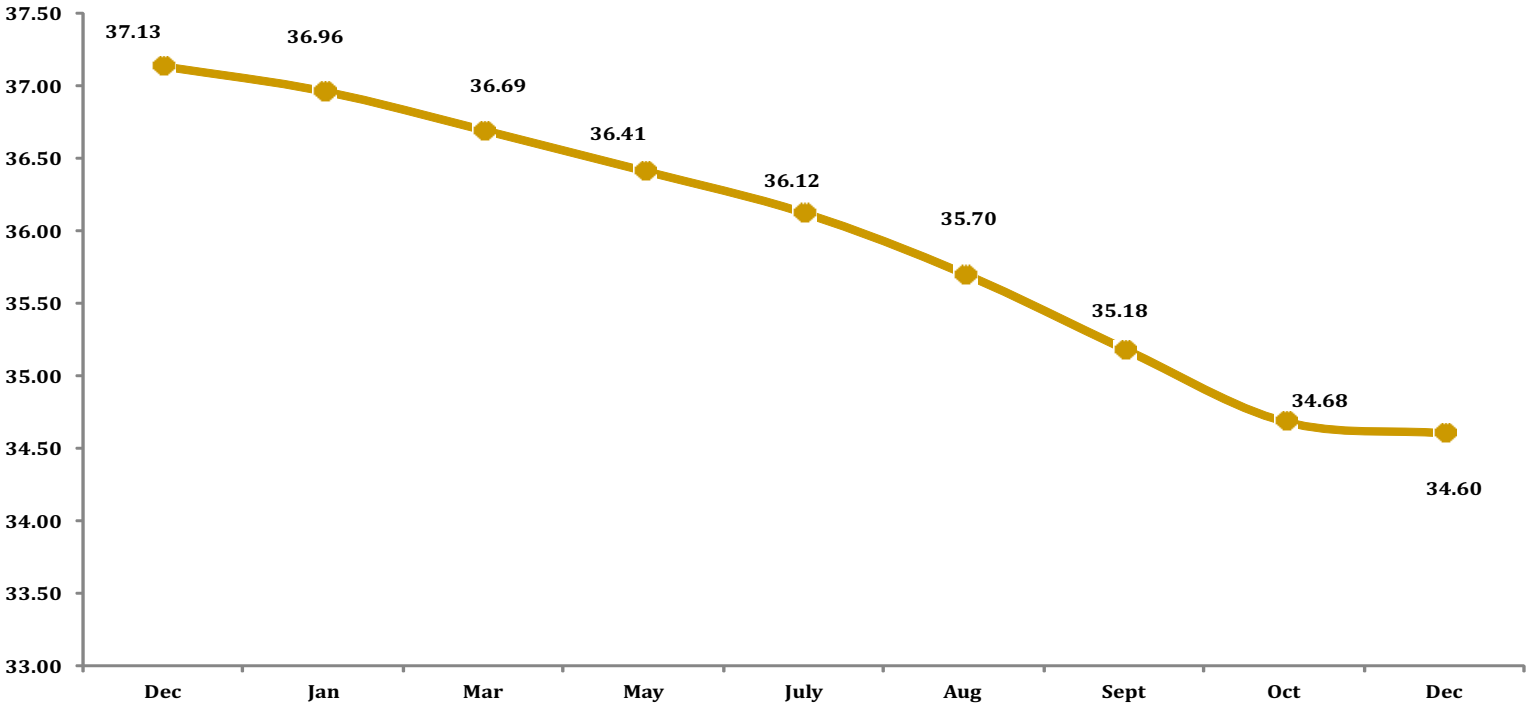

स्रोत: बारचार्ट

14 नवम्बर 2020 का बंद भाव

एनसीडीईएक्स में रिफाइंड सोया तेल वायदा का फॉरवर्ड वक्र (10रू/10 किग्रा)

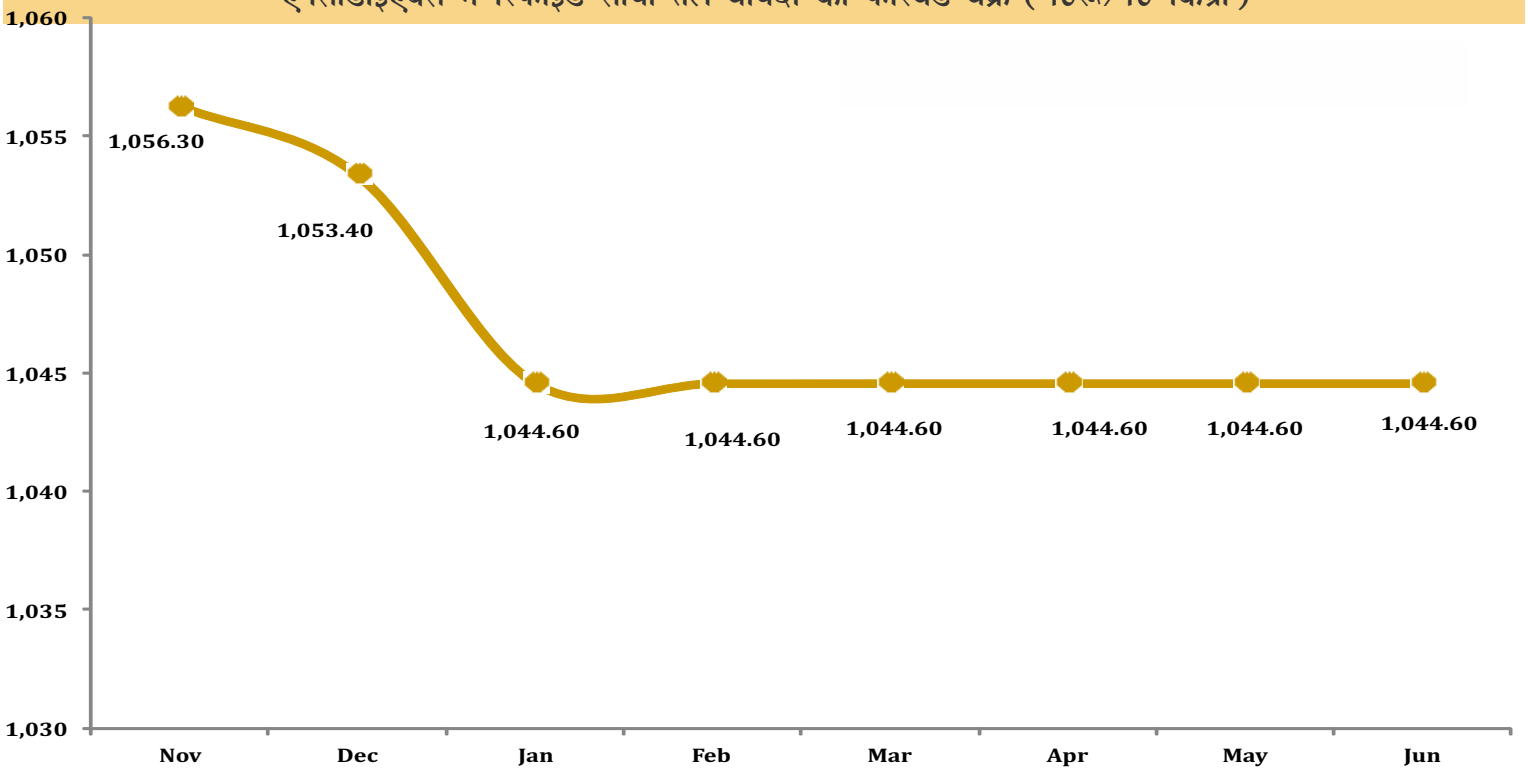

स्रोत: एनसीडीईएक्स

14 नवम्बर 2020 का बंद भाव

smc
Moneywise. Be wise.

एमसीएक्स में सीपीओ वायदा का फॉरवर्ड वक्र

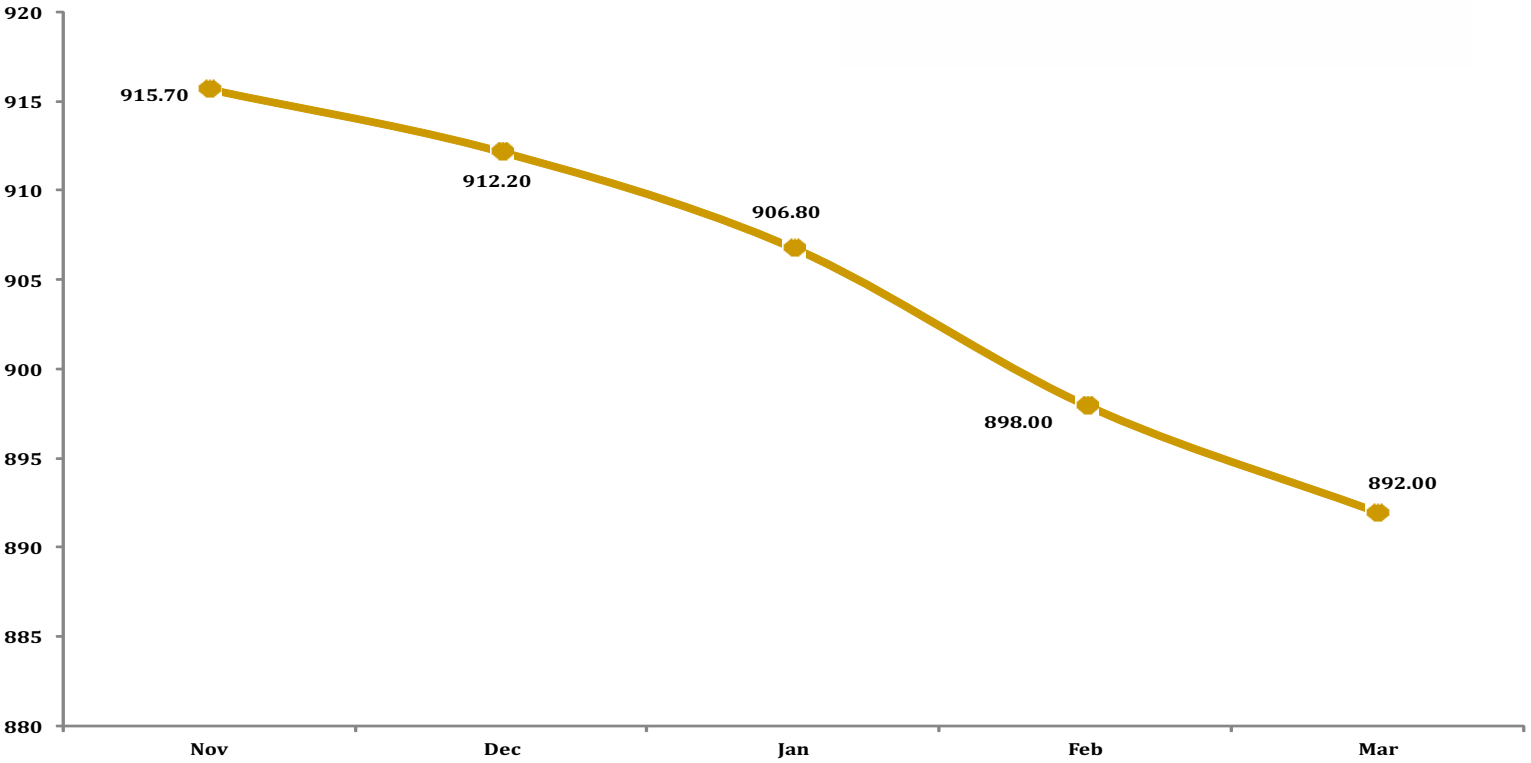

स्रोतः एमसीएक्स

14 नवम्बर 2020 का बंद भाव

एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड (जिसे एसएमसी कहा जाता है) का नियमन भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड द्वारा किया जाता है और इसे ब्रोकिंग व्यवसाय, डिपॉजिटरी सेवायें और संबंधित सेवायें करने का लाइसेंस प्राप्त है। एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड, एमएसईआई(मेट्रोपॉलिटन स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड) का रजिस्टर्ड सदस्य है और एम/एस एसएमसी कॉमट्रेड नेशनल कमोडिटी एवं डेरिवेटिव्स एक्सचेंज लिमिटेड और मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया और भारत के अन्य कमोडिटी एक्सचेंजों का रजिस्टर्ड सदस्य है। इसकी सहयोगी एमसीएक्स स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड की सदस्य हैं। एसएमसी सीडीएसएल(CDSL) और एनएसडीएल(NSDL)के साथ डिपॉजिटरी भागीदार के रूप में भी रजिस्टर्ड है। एसएमसी के अन्य एसोसिएट सेबी और भारतीय रिजर्व बैंक के साथ मर्चेंट बैंकर, पोर्टफोलियो मैनेजर के रूप में रजिस्टर्ड है। यह म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर के रूप में एएमएफआई(AMFI) में भी रजिस्टर्ड है।

एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड सेबी (रिसर्च एनॉलिस्ट)रेगुलेशन 2014 के तहत रिसर्च एनॉलिस्ट के लिए रजिस्ट्रेशन संख्या INH100001849 के साथ रजिस्टर्ड संस्था है। एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड या इसके सहयोगियों को सेबी द्वारा अन्य किसी रेगुलेटरी एथॉरिटी द्वारा सिक्योरिटीज मार्केट/कमोडिटी मार्केट में कारोबार के लिए प्रतिबंधित/निलंबित नही किया गया है। रिपोर्ट में रिसर्च एनॉलिस्टों द्वारा व्यक्त की गई राय केवल सार्वजनिक रूप से प्राप्त सूचनाओं/इंटरनेट आंकड़ों/अन्य विश्वसनीय स्रोतों, जिन्हे सत्य माना जाना जाता है, पर आधारित है। एसएमसी रिपोर्ट में व्यक्त राय या सामग्री की शुद्धता को लेकर कोई आश्वासन नही देता है और निवेशकों को सलाह दी जाती है कि निवेश के लिए कोई भी निर्णय करने से पहले बाजार की परिस्थितियों/जोखिमों का स्वतंत्र रूप से मूल्यांकन करें। रिसर्च एनॉलिस्ट, जिन्होने इस रिपोर्ट को तैयार किया है, एतद् द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि इस रिपोर्ट में विशेष कमोडिटी के संदर्भ में व्यक्त किया गया विचार/राय उनके निजी स्वतंत्र विचार/राय है।

डिसक्लेमर: यह रिसर्च रिपोर्ट अधिकृत प्राप्तकर्त्ता की व्यक्तिगत सूचना के लिए है और इसका निवेशक के किसी निवेश, विधिक एवं कर संबंधी परामर्श से संबंध नही हैं। यह केवल प्राइवेट सर्कुलेशन एवं उपयोग के लिए है। यह रिपोर्ट विश्वस्त सूचनाओं पर आधारित है लेकिन यह पूरी तरह सही और पूर्ण है, ऐसा जरूरी नही और इस पर पूरी तरह भरोसा नही किया जाना चाहिए। रिपोर्ट के कन्टेन्ट के आधार पर कोई कार्य नही किया जा सकता है। इस रिपोर्ट को एसएमसी से लिखित आज्ञा के बिना किसी भी रूप में नकल एवं किसी भी अन्य व्यक्ति को पुनः वितरण नही किया जाना चाहिए। इस सामग्री का कन्टेन्ट सामान्य है और यह न तो पूरी तरह से व्यापक है और न विस्तृत है। इस रिपोर्ट के आधार पर उठाये गये किसी कदम से होने वाली क्षति या नुकसान के लिए न तो एसएमसी और न इसका कोई संबंधी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी को उत्तरदायी ठहराया जाना चाहिए। यह कोई व्यक्तिगत अनुमोदन नही करता या किसी खास निवेश उद्देश्य, वितीय स्थिति या किसी व्यक्तिगत ग्राहक या कॉरपोरेट या सत्ता की जरूरतों को लेकर नही चलता है। सभी निवेश जोखिमपूर्ण होते है एवं पिछला प्रदर्शन भविष्य के किसी प्रदर्शन की गारन्टी नही देता है। निवेश की वैल्यू और उससे प्राप्त आमदनी एक निश्चित समय में उपलब्ध कुछ बड़े एवं सूक्ष्म कारकों के बदलाव पर निर्भर कर सकती है। निवेश का निर्णय लेते समय किसी भी व्यक्ति को अपने विवेक का इस्तेमाल करना चाहिए।

कृपया ध्यान रखें कि हम या हमारा कोई अधिकारी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी, जो भी इस रिपोर्ट को बनाने या भेजने में शामिल है उसकी (अ)समय-समय पर किसी भी कमोडिटीज में, जिनका इस रिपोर्ट में जिक्र किया गया है, खरीद या बिक्री, कोई भी पोजिशन हो सकती है और वह इस कमोडिटीज को खरीद या बिक्री कर सकता है या (ब) साथ ही साथ वह इन कमोडिटीज के किसी भी प्रकार के सौदों में और ब्रोकरेज या अन्य प्रकार के प्रतिकर में अथवा बाजार निर्माण में शामिल हो सकता है, (स) इस रिपोर्ट में दिए गये सुझावों और संबंधित सूचनाओं एवं विचारों के संदर्भ में इनका अपना कोई भी निहित स्वार्थ या विवाद हो सकता है। सभी विवादों का निपटारा अंतिम रूप से दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीन होगा।